



परिवार पहचान-पत्र

चर्चा में क्यों?

15 सितंबर, 2021 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्‌टर ने सभी वभिगाध्यक्षों को 1 नवंबर, 2021 तक अपने-अपने वभिगों की योजनाओं और सेवाओं को परिवार पहचान-पत्र (पीपीपी) से जोड़ने का नरिदेश दिया ।

प्रमुख बदि

- अंत्योदय की भावना से शुरू की गई पीपीपी राज्य सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्यपात्र परिवारों को सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुनिश्चित कराना है ।
- हर परिवार का परिवार पहचान-पत्र बनाने के लिये इस तरह की योजना बनाने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है । अभी तक इस प्रकार की योजना न तो देश में शुरू की गई है और न ही वदिश में ।
- पीपीपी योजना के लाभों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीपी को महाविद्यालयों में प्रवेश से जोड़ने के बाद छात्रों के डाटा का स्वतःसत्यापन किया गया । इसके साथ ही अब छात्रों को अपने सत्यापन कार्य के लिये इधर-उधर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी ।
- पहले लाभार्थियों के सत्यापन की कोई व्यवस्था नहीं थी, अब पीपीपी के जरिये सरकारी योजनाओं के क्रयिन्वयन में पूरी तरह पारदर्शिता आएगी ।
- पीपीपी के आने से यह जानना आसान हो जाएगा कि कौन-सा व्यक्ति किस योजना का लाभ लेने के योग्य है और किस इन योजनाओं का लाभ नहीं मिला है ।
- इस योजना के प्रारंभ होने से अब सरकारी योजनाओं का लाभ भी स्मार्ट कार्ड के ज़रिये मिलेगा । स्मार्ट कार्ड को पीपीपी से जोड़ा जाएगा ।
- प्रारंभ में आयुष्मान भारत, सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली, मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना और पेंशन योजना को स्मार्ट कार्ड से जोड़ा जा रहा है ।